

राज्य ग्राहक तक्रार निवारण आयोग, मुंबई राज्य  
आयोगाचे नागपूर व औरंगाबाद परिक्रमा खंडपीठ  
आणि अधिनस्त जिल्हा ग्राहक तक्रार निवारण  
मंच या कार्यालयांसाठी निर्माण करण्यात  
आलेल्या ४९७ अस्थायी पदांना दि.०१.०९.२०२०  
ते दि.२८.०२.२०२१ या कालावधीकरिता  
मुदतवाढ देण्याबाबत....

महाराष्ट्र शासन  
अन्न नागरी पुरवठा व ग्राहक संरक्षण विभाग  
शासन निर्णय क्रमांक: संकीर्ण २०१९/प्र.क्र.२१/ग्रास-४  
हुतात्मा राजगुरु चौक, मादाम कामा मार्ग,  
मंत्रालय (विस्तार), मुंबई ४०० ०३२.  
दिनांक: २४ सप्टेंबर, २०२०

**वाचा:-**

- १) शासन निर्णय वित्त विभाग, क्र.पदनि २०१६/प्र.क्र.०८/१६/आ.पु.क., दिनांक १२.०२.२०२०
- २) शासन निर्णय, अ.ना.पु व ग्रा.सं.वि क्र.संकीर्ण २०१९/प्र.क्र.२१/ग्रा.स-४,  
दिनांक ११.०३.२०२०
- ३) शासन निर्णय वित्त विभाग, क्र.पदनि २०१६/प्र.क्र.०८/१६/आ.पु.क., दिनांक ३१.०८.२०२०

**शासन निर्णय:-**

ग्राहक संरक्षण कायदा, १९८६ मधील तरतुदीनुसार राज्य स्तरावर राज्य ग्राहक तक्रार निवारण आयोग आणि जिल्हास्तरावर, जिल्हा ग्राहक तक्रार निवारण मंचाची स्थापना करण्यात आलेली आहे. तसेच, केंद्र शासनाने सन २००२ मध्ये ग्राहक संरक्षक अधिनियमात केलेल्या सुधारणांच्या अनुषंगाने राज्य आयोगाचे अनुक्रमे नागपूर व औरंगाबाद येथे परिक्रमा खंडपीठ (सर्कीट बेंच) स्थापन करण्यात आले आहेत. राज्य आयोग, जिल्हा मंचाच्या कामकाजात वाढ झाल्याने राज्य आयोग व आयोगाच्या नागपूर व औरंगाबाद परिक्रमा खंडपीठ तसेच, जिल्हा मंच या कार्यालयांसाठी वेळोवेळी आवश्यकतेनुसार अधिकारी/ कर्मचारी वृदांची एकूण ४९७ अस्थायी पदे निर्माण करण्यात आली आहेत.

२. उपरोक्त वित्त विभागाच्या संदर्भ क्र. १ च्या शासन निर्णयान्वये विभागाला दिलेल्या अधिकारांचा वापर करून राज्य ग्राहक तक्रार निवारण आयोगाच्या व त्यांच्या अधिनस्त कार्यालयांच्या ४९७ अस्थायी पदांना दि.०१.०३.२०२० ते दि.३१.०८.२०२० या कालावधीकरिता संदर्भ क्र.२ च्या शासन निर्णयान्वये मुदतवाढ देण्यात आली होती.

३. दरम्यानच्या काळात ग्राहक संरक्षण अधिनियम, १९८६ व्यपगत झाला असून ग्राहक संरक्षण अधिनियम, २०१९ हा दि.२०.०७.२०२० पासून लागू झालेला आहे. सदर अधिनियम, २०१९ मधील तरतुदीनुसार राज्य व जिल्हा आयोगाच्या अधिकारी/कर्मचा-यांच्या वेतन आणि देय भत्ते, सेवेच्या इतर अटी व शर्ती संदर्भात नियम करणे आवश्यक असून त्यानुसारची कार्यवाही प्रस्तावित आहे. तथापि, सद्यःस्थितीत उपरोक्त वित्त विभागाच्या संदर्भ क्र.३ च्या शासन निर्णयान्वये विभागाला दिलेल्या अधिकारांचा वापर करून राज्य ग्राहक तक्रार निवारण आयोगाच्या व त्यांच्या अधिनस्त कार्यालयांच्या आस्थापनेवरील एकूण ४९७ अस्थायी पदांना या शासन निर्णयासोबत जोडलेल्या 'परिशिष्ट अ' मध्ये दर्शविल्याप्रमाणे दिनांक ०१.०९.२०२० ते दिनांक २८.०२.२०२१ या कालावधीकरिता मुदतवाढ देण्यास खालील अटींच्या अधीन राहून याद्वारे मंजूरी देण्यात येत आहे.

- १) प्रस्तावित ४९७ पदांपैकी कोणतेही पद सहा महिन्यापेक्षा जास्त कालावधीसाठी रिक्त नसावे.
- २) सदर पदांवरील वेतनाचा खर्च वित्तीय वर्ष २०२०-२०२१ या मंजूर अनुदानातून भागविण्यात यावा.
- ३) प्रस्तावित पदे ही सुधारित आकृतीबंधातील मंजूर असून त्यामुळे सुधारित आकृतीबंधात अथवा संवर्गातही बदल होणार नाही.

४. यासाठी होणारा खर्च, (मागणी क्रमांक एम २ -२४०८ अन्न साठवण व वखार १०१, प्रापण व पुरवठा, (०४) ग्राहक संरक्षण अधिनियम, १९८६ अन्वये राज्य परिषद, राज्य आयोग आणि जिल्हा मंच स्थापन करणे, (०४) (०१), मुंबई शहर, (२४०८ ०२५१) आणि (०४) (०२), मुफसल, (२४०८ ०२६२) दत्तमत, अनिवार्य, ०१-वेतन या लेखाशिर्षाखाली खर्ची टाकण्यात यावा व तो सन २०२०-२०२१ या वित्तीय वर्षासाठी मंजूर केलेल्या अनुदानातून भागविण्यात यावा.

५. उक्त शासन निर्णय, वित्त विभागाचे संदर्भ क्र.३ अन्वये प्रशासकीय विभागास प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकारानुसार निर्गमित करण्यात येत आहे.

सदर शासन निर्णय महाराष्ट्र शासनाच्या [www.maharashtra.gov.in](http://www.maharashtra.gov.in) या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आला असून त्याचा संकेतांक २०२००९२५१६५५५३८८०६ असा आहे. हा आदेश डिजिटल स्वाक्षरीने साक्षांकित करून काढण्यात येत आहे.

महाराष्ट्राचे राज्यपाल यांच्या आदेशानुसार व नावाने,

सोबत: 'परिशिष्ट अ'

(प. न. काटीकर)  
कक्ष अधिकारी, महाराष्ट्र शासन

प्रति,

- १) महालेखापाल, महाराष्ट्र -१/ २ (लेखा व अनुज्ञेयता), मुंबई/नागपूर.
- २) महालेखापाल, महाराष्ट्र -१/ २ (लेखा व लेखपरीक्षा), मुंबई/नागपूर.
- ३) अधिदान व लेखा अधिकारी, मुंबई.
- ४) निवासी लेखा परीक्षा अधिकारी, मुंबई
- ५) वित्त विभाग, व्यय-१०/ अर्थसंकल्प -१६/ वित्तीय सुधारणा
- ६) वित्तीय सल्लागार व उपसचिव, अन्न नागरी पुरवठा व ग्राहक संरक्षण विभाग
- ७) सर्व जिल्हा कोषागार अधिकारी
- ८) प्रबंधक (प्रशासन), राज्य ग्राहक तक्रार निवारण आयोग, मुंबई (२ प्रती)
- ९) प्रबंधक (विधी), राज्य ग्राहक तक्रार निवारण आयोग, परिक्रमा खंडपीठ, नागपूर/औरंगाबाद.
- १०) प्रबंधक, सर्व राज्य ग्राहक तक्रार निवारण मंच
- ११) कक्ष अधिकारी, (ना.पु.१२), अन्न नागरी पुरवठा व ग्राहक संरक्षण विभाग, मंत्रालय
- १२) निवडनस्ती, ग्रा.सं.४, अन्न नागरी पुरवठा व ग्राहक संरक्षण विभाग, मंत्रालय.

**परिशिष्ट-अ**

शासन निर्णय क्र. संकीर्ण २०१९/प्र.क्र.२१/ग्रासं-४

दि.०१.०९.२०२० ते दि.२८.०२.२०२१ पर्यंत अस्थायी पदे पुढे चालू ठेवण्यास मुदतवाढ

| <b>अ) राज्य ग्राहक तक्रार निवारण आयोग, मुंबई</b> |                              |                 |
|--|------------------------------|-----------------|
| <b>अ.क्र.</b>                                    | <b>पदाचे नांव</b>            | <b>पदसंख्या</b> |
| १.   | प्रबंधक (विधी)               | १               |
| २.   | प्रबंधक                      | १               |
| ३.   | लेखाधिकारी                   | १               |
| ४.   | लघुलेखक (उच्च श्रेणी)        | ३               |
| ५.   | लघुलेखक (निम्न श्रेणी)       | २               |
| ६.   | अधिक्षक                      | २               |
| ७.   | जनसंपर्क अधिकारी             | १               |
| ८.   | शिरस्तेदार                   | ३               |
| ९.   | सहायक अधिक्षक                | २               |
| १०.  | वरिष्ठ लिपीक                 | २               |
| ११.  | वरिष्ठ अभिलेखापाल            | १               |
| १२.  | लिपिक टंकलेखक                | ६               |
| १३.  | बेलिफ                        | १               |
| १४.  | वाहन चालक                    | १               |
| १५.  | पोलीस शिपाई                  | १               |
| १६.  | शिपाई                        | ७               |
| १७.  | रखवालदार                     | १               |
| १८.  | सफाई कामगार                  | १               |
|  | <b>एकूण</b>                  | <b>३७</b>       |
| <b>ब) जिल्हा मंच</b>                             |                              |                 |
| <b>अ.क्र.</b>                                    | <b>पदाचे नांव</b>            | <b>पदसंख्या</b> |
| १.   | प्रबंधक (वर्ग-२) (राजपत्रित) | ४०              |
| २.   | लघुलेखक (उच्च श्रेणी)        | ३६              |
| ३.   | लघुलेखक (निम्न श्रेणी)       | ४०              |
| ४.   | सहायक लेखाधिकारी/लेखापाल     | ४०              |
| ५.   | शिरस्तेदार                   | ४०              |
| ६.   | सहायक अधिक्षक                | ४०              |
| ७.   | अभिलेखापाल                   | ४०              |
| ८.   | लिपिक टंकलेखक                | ७६              |
| ९.   | शिपाई                        | ८०              |
|  | <b>एकूण</b>                  | <b>४३२</b>      |
| <b>क) राज्य आयोगाचे नागपूर परिक्रमा खंडपीठ</b>   |                              |                 |
| <b>अ.क्र.</b>                                    | <b>पदाचे नांव</b>            | <b>पदसंख्या</b> |
| १.   | प्रबंधक (विधी)               | १               |
| २.   | लेखाधिकारी                   | १               |
| ३.   | लघुलेखक (उच्च श्रेणी)        | २               |
| ४.   | शिरस्तेदार                   | २               |

|   |                       |          |
|---|-----------------------|----------|
| ५.  | अधिक्षक               | १        |
| ६.  | लिपिक टंकलेखक         | ३        |
| ७.  | शिपाई                 | ३        |
| ८   | रखवालदार              | १        |
|   | एकूण                  | १४       |
| ड) राज्य आयोगाचे औरंगाबाद परिक्रमा खंडपीठ |                       |          |
| अ.क्र.                                    | पदाचे नांव            | पदसंख्या |
| १.  | प्रबंधक (विधी)        | १        |
| २.  | लेखाधिकारी            | १        |
| ३.  | लघुलेखक (उच्च श्रेणी) | २        |
| ४.  | शिरस्तेदार            | २        |
| ५.  | अधिक्षक               | १        |
| ६.  | लिपिक टंकलेखक         | ३        |
| ७.  | शिपाई                 | ३        |
| ८   | रखवालदार              | १        |
|   | एकूण                  | १४       |
|   | एकूण (अ+ब+क+ड)        | ४९७      |